कामदेव जब भस्म हो गया।

रति का क्रन्दन सुन आँसू से

तुमने ही तो दृग धोए थे ?

6. "पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं।" सोदाहरण विवेचन कीजिए।

7. निराला द्वारा लिखित 'संध्या सुन्दरी' कविता का काव्य सौन्दर्य उद्घाटित कीजिए।

8. अजेय की 'असाध्य वीणा' कविता की शिल्प की दृष्टि से विवेचना कीजिए।

9. रघुवीर सहाय की काव्यगत विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. "नागार्जुन के काव्य में आम आदमी की पीड़ा को अभिव्यक्ति मिली है।" इस कथन के परिप्रेक्ष्य में नागार्जुन के काव्य का साहित्यिक सौन्दर्य प्रस्तुत कीजिए।

11. दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय चेतना के स्वर मुखरित हुए हैं। स्पष्ट कीजिए।

12. छायावाद की विशेषताओं के परिप्रेक्ष्य में जयशंकर प्रसाद की 'कामायनी' का मूल्यांकन कीजिए।

13. दुष्यन्त के काव्य की भावगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

MAHD–02

December – Examination 2022

M.A. (Previous) Examination

HINDI

(Adhunik Kavya)

आधुनिक काव्य

Paper : MAHD-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) मैथिलीशरण गुप्त की किन्हीं **चार** रचनाओं के नाम लिखिए।

(ii) 'कामायनी' महाकाव्य के प्रथम तीन सर्गों के नाम लिखिए।

(iii) छायावाद चतुष्ट्य नाम से जाने वाले कवियों के नाम लिखिए।

(iv) 'स्नेह निर्झर बह गया' कविता की यह पंक्ति किस कवि की है ?

(v) रघुवीर सहाय की किन्हीं **दो** रचनाओं के नाम लिखिए।

(vi) प्रकृति का सुकुमार कवि किसे कहा जाता है ?

(vii) 'असाध्य वीणा' कविता का मूल भाव लिखिए।

(viii) नागार्जुन का नाम क्या था ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

औरों के हाथों यहाँ नहीं पलती हूँ।
अपने पैरों पर खड़ी आप चलती हूँ।
श्रमवारि बिन्दुफल स्वास्थ्य शुचि फलती हूँ।
अपने अंचल से व्यंजन आप झलती हूँ।
तनु-लता-सफलता-स्वाद आज हो आया,
मेरी कुटिया में राज-भवन मन भाया।

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अरी उपेक्षा भरी अमरते। री अतृप्त! निर्बाध विलास ?
द्विधा रहित अपलक नयनों की भूख भरी दर्शन की प्यास।
बिछुड़े तेरे सब आलिंगन पुलक स्पर्श का पता नहीं।
मधुमय चुंबन कातरतायें आज न मुख को सता रहीं॥

4. निम्नलिखित पद्य-खण्ड की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

है बहुत बरसी धरित्री पर अमृत की धार,
पर नहीं अब तक सुशीतल हो सका संसार।
भोग-लिप्सा आज भी लहरा रही उद्दाम।
बह रही असहाय नर की भावना निष्काम।

5. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

कालीदास, सच सच बतलाना।
इन्दुमती के मृत्यु शोक से
अज रोया या तुम रोए थे ?
कालीदास, सच सच बतलाना।
शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हुई महाज्वाला में
घृत मिश्रित सुखी समिधा-सम